

9

Environmental

Studies

(E.V.S.) - (C.Tet.)

"Hindi medium"

लंगूर - हू - फैन → हांकांग का एक पक्वान (सांप के मांस से बनता है)

② - टैपिकोआ → केरल में जंगल के नीचे उगाया जाने वाला फल/सब्जी है।

③ - लुई बेल → बेल छिली के आविष्कारकर्ता (फ्रांस)
→ बेल छिली 6 बिंदुओं पर आधारित

④ → धरो की संरचना → असम में बांस के खंभों पर टिके हुए (10-12 फुट)

→ मनाली (H.P.) - पत्थर/लकड़ी के बने घर होते हैं।

→ राजस्थान में - मोटी दीवार (मिट्टी) व छत कटीली झाड़ियों से बनते हैं।

⑤ - J & K में चाय को 'कहवा' कहा जाता है। (बादायनी मध्य)

⑥ - वल्लभ - एक प्रकार की छोटी नाव (लकड़ी की) / केरल में चलती है।

क - हाथी - सबसे बड़ी हाथिनी, झुण्ड (Herd) की मुखिया होती है।
- एक दिन में 100 लघु लकड़ी पत्ती खा लेता है।
→ कीचड़ उन्हें ठंडा रहता है।

- एक दिन में 2-4 बच्चे सोता है।
→ मां पंखे का काम करते हैं।
- झुण्ड में केवल स्थानियाँ व उनके बच्चे होते हैं।
वे 14-15 वर्ष के बाद अलग हो जाते हैं।

⑧ - 'खेजड़ी का पेड़' → खेजली गांव (राजस्थान) → विश्वोई लोग

- 300 साल पहले की बात है → यहां शिका व पेड़ काटने पर प्रतिबंध

→ खेजड़ी का पेड़, रेगिस्तान में कम पानी में उगता है।

→ इसकी छान से दवाइयां बनती हैं / लकड़ी में कीड़ा नहीं

→ पेड़ की फलियों की सब्जी भी बनती है।

9. चींटियों की दुनिया :- सभी चींटियों का काम बंटा होता है।

रानी चींटी - अंडे देती है।

सिपाही " - बिल का हवाब रखती है।

मजदूर " - भोजन ढूँढकर लाने का काम करती है।

(दीमक, मधुमक्खी व तर्तैया भी इसी तरह कार्य करते हैं।)

10. मधुमक्खियाँ :-
→ हर ~~मधु~~ हस्ते में एक रानी मधुमक्खी जो अंडे देती है। केवल कुछ ही male मधुमक्खी होते हैं, जो ~~work~~ का काम नहीं करते।
अंडे देने का समय - Oct - December
अतः, मधुमक्खी पालन का उपयुक्त समय है।
→ अधिकतर, मक्खी, ~~work~~ होते हैं।

11. मडगाँव कोजीकोड
गाँव से कैरल (रेलमार्ग) → 92 सुरंगें और 2000 पुल हैं।

12. मलयालम भाषा - वलियम्मा - मां की बड़ी बहन
- अम्मूमा - नानी को कहते हैं।
- चिदम्पन - चाचा / कुलम्मा - चाची

13. गांधी दाम (कुच्छ) अहुमदाबाद
वलसाड → GJ.
कोजीकोड → केरल →
[कोट्टायम भी Town] कोट्टायम
[बाना - दोमना, चटनी, lemon चावल, मिठाई]
दक्षिण भारत का एक शहर, मालाबार तट पर, मलिकट

14. कर्णजम मल्लेश्वरी :- वेट लिफ्टर (आंच प्रवेश से) [Telangana]
→ (father - police constable है) → जब 12 वर्ष की थी, तब अंग्रेज किया।
→ 130 kg. weight
→ इनकी 4 सिटर्स थी weight lifting करती हैं।
→ भारत के बाहर - 29 मडल जीत चुकी।

15. फूल :-
फूलों की बाड़ी - उत्तराखण्ड
कचनार के फूल (U.P.)
केले के फूल (केरल)
सहजन " " (MH.) } सबजी बनायी जाती है।

(- गुलदावरी / जीनिया के फूलों से लपेटे रंगने को रंग बनाता है।)
(Marigold) zania

- पेंटिंग में, मानव, जानवर, पेड़, पक्षी, मछली, फूल आदि (2) दिखाये जाते हैं।

धुबनी (पेंटिंग) - मधुबनी जिला बिहार

- घर की दीवारों पर चित्रकारी
- चावल के आटे से चित्रकारी (चटक रंग) - में रंग गिलाकर
- फूलों व पत्तियों से रंग प्राप्त, हल्दी आदि

(18) - U.P. (कन्नौज) इत्र के लिए मशहूर

(19) - मिर्ची में गोबर गिलाकर जमीन में लीपने से - कीड़े नहीं लगते।

(20) - नीम व कीकर की लकड़ी पर बीजक नहीं लगता।

(21) - गाजीबाग - Pakistan
सोहना गांव - Haryana
कनकपुर - A.P. - पोचमपल्ली जिला
मुखापुर - A.P. - पोचमपल्ली जिला
कफपर - (MH.)
बाजार गांव - (MH.)
जलामड़ा - (A.P.)

कनकपुर - Kankar
हितागुड़ी
(बच्चों की पंचायत - श्रीमा सिंह)

(22) - गीजू भाई बहोका - लेखक (गुजरात)

→ बच्चों के स्तर की मजेदार कहानी व पत्र लिखते हैं।

→ केवल अंडों को रखने हेतु ब्रुगेज करते हैं।

(23) - पक्षी :- कलचिड़ी (Indian Robin) - पत्थरों के बीच घोंसला (घास से)
(अपल टहनियां, जड़े, अण, बाल, रुई, बिछा होता है)।

कौवा :- घोंसले में लोह के तार, लकड़ी की शाखा।
कोयल, कौवे के घोंसले में अंडे देता है।

फारुखा :- कैक्टस के कांटों के बीच/मेंहली की मेंद में घोंसला बनाती है।

गौरैया :- कहीं भी (अगमनी, दल, आइने के पीछे)
कबूतर भी

बसंत गौरी :- पेड़ के तने में देह बनाकर, अंडे रखती है।

दर्जिन चिड़िया :- पत्तों को लीकर, अंडे देने हेतु पात्र तैयार करती है।

शबकर खोरा :- फेंड/झड़ी पर लटकता घोंसला (बाल, रुई, दान, कपड़े आदि से तैयार)

वीवर पक्षी :- नर वीवर, अपने हाँसने बनाते हैं।

मादा नर, अबे देने हेतु, सही हाँसने का चुनाव करती है।

बिल्ली :-

(23) - गाय :- आगे के दाँत दाँटे (बुकीले) - काटने के लिए
पीछे के दाँत चपटे - चबाने के लिए

बिल्ली/कुत्ता - बुकीले दाँत, मांस फाड़ने के काम

साँप :- के दाँत बुकीले / परंतु चबाता नहीं है / निगलता है।

गिलहरी :- के दाँत लगातार बढ़ते रहते हैं।

(24) - A.P. का पाँचमपल्ली जिला (मुख्यालय गाँव)

- जिले में अधिकतर बुनकर परिवार रहते हैं / - खिलौने व हथौड़े भी

- बुनकरों की ही "पाँचमपल्ली" बोल जाता है।

→ कुच्छ - जाल → मछुली पेंडिंग → असम - रेशम → कश्मीरी - कढ़ी

(25) - चींटी :- सुंकर एक दूसरे के पीछे चलती हैं।

✓ मच्छर - पुरुषों की गंध व शरीर की गर्मी से लगे बैठते हैं।

✓ साँप - बाँटरी काम नहीं होते / जमीनी कंपन से सुन महसूस करते हैं।

रेशम का कीड़ा - कई km. दूर से भी, गंध से female कीड़े को ढूँढ लेता है।

वाघ :- अंधेरे में सबसे 6 गुना अधिक देख सकता है।

(Tiger) - हवा के कंपन से मूँहों द्वारा भाँपना।

- धुंधला 3 km. तक सुना जा सकता है।

- सुना भी तेज / पत्तियों के फड़फड़ाने व जानवर के चलने की आवाज में अल कलकल

→ जानवर (हर चीज को लच्छे व काले रंग में देखते हैं।)

→ हलाय → शायद जैसा जीव / पेड़ पर उल्टा लटककर सोता है (नकल)
- उल्टी पेड़ के पत्ते जा लीते हैं।

- पत्तियाँ खत्म हो जाने पर दूसरे पेड़ पर

- 40 वर्ष के जीवन में - 8 पेड़ों पर घूम पाते हैं (5 साल - 1 पेड़)

- हफ्ते में एक बार, जमीन पर आता है। (बहुत आलसी होते हैं)।

UK (Wainital) - जिम कार्नेट] National park, शिकाप काला सगा
Raj (Bharatpur) - बाजा

(27) - सपेरो की एक जाति → "कालबेलिया"

(28) - नाग गुफन - रंगोली (सौराष्ट्र, गुजरात व द. भारत में उपयोग की जाती है)

(29) - भारत में पाये जाने वाले सभी साँपों में 4 प्रकार की जहरीले होते हैं -

- ① → नाग ② → करैत ③ → दुबोइया ④ → अफाई
- साँप के 2 दाँत, इन्हीं के दाँस जहाँ शरीर में जाता है।
- साँप के जहर के असर को कम करने हेतु, "सीरम" दवा दी जाती है, जो, साँप के जहर से ही बनती है।

(30) - नीपेन्थिस पेंडुला → ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, भारत के मैदानीय (पिचर plant) (झड़ा पौधा) - कीड़े, मकौड़े व छोटे जीवों का शिकार।
- special smell, जो insects को attract करती है - मेढक, चूहे आदि
- Clever plant

(31) - वैल्क्रो → स्विट्जरलैंड के जॉर्ज मेस्ट्रल द्वारा निर्मित। (1948 में)
(कपड़ों, जूतों, बैग आदि में प्रयोग किया जाता है)।
→ बीजों पर बने होट्टेक्स (Hooks) की कपड़ों पर लगने के कारण निकाला

(32) सीमिर्वी - पुर्तगाल के लायायी, द. अमेरिका से आत लाये (टमाटर, आलू, भी)

- कौकी, जिब्डी - अफ्रीका से
- बन्ध गोभी/भटर - यूरोप से
- स्तोयबीन - चीन से आयी

(33) - अल बिखनी - उज्बेकिस्तान से आत आया था। (1943 को 100 वर्ष)

(34) - 'बड़सीसर तालाब' - जैसलमेर के राजा 'बड़सी' ने बनवाया था।

34) - मृत सागर :- दुनिया का सबसे जहकीन सागर ।
एक लीटर में (300 gm. नमक)

→ आर्थिक Demand के कारण, उसमें इबते नहीं हैं ।
35) - सिचुआना - पेड़की दान से मकरिया की दवाई बनायी जाती है ।

अनीमिया - हिमोग्लोबिन / कायल की कमी से होता है ।

उपाय - गुड़, आंवला, हरी पत्तेदार सब्जी ।

शेनालो रोस - भारतीय मूल के
- बताया कि मकरिया मक्कर से फैलता है ।

36) - मिजोरम - 'मिजो' भाषा

37) - रैलिंग - पहाड़ से उतरना

38) - हिमालय (माउंट एवरेस्ट) पर चढ़ने वाली पहली महिला -

"बेवेंब्री पाल" - संसार की 5th महिला ।

- गढ़वाल के जाकुपी गांव की रहने वाली हैं ।

- 23 मई 1984 के दिन 1 बजेकर 7 मिनट पर चढ़ी थी । (ऊँचाई - 8900 NCERT) -

- माउंट एवरेस्ट का नेपाली में नाम - "सागरमथा"

39) - गोलकोंडा का किला - 1518 से 1687 तक / कुतुबशाही सुल्तानों ने शान किया ।

40) - नील आर्मस्ट्रांग - चांद पर पहुँचने वाले पहले व्यक्ति (1969)

41) - मुंबई - दिल्ली - 1400 km की दूरी ।

कृष्ण-लेह में - पत्ती/निचली मंजिल पर खिड़ी नहीं होती है।
 - दंत बनाने के लिए पैरों के मोटे तबे इस्तेमाल किए जाते हैं।

43 - पशमीना शॉल - 6 स्वेटरों के बराबर गर्मी होती है।
 - एक पहाड़ी बकरी की खाल नस्ल के बालों से बनती है।
 जो लगभग 5000 mt. की ऊँचाई तक रह सकती है।
 - एक शॉल बनाने में 250 घंटे लगते हैं।
 इलीमिए बहुत मंहंगे
 - बकरी का 8 बाल / घंटे 1 बाल के बराबर।

44 - जमीन उपजाऊ : पत्तों से, पत्तों से, शाखा सड़ने से / कंकुओं से
 - कंकुर जमीन में दूध बनाते रहते हैं, जिसे जमीन
 चोली हो जाती है।

45 - श्रृंग खेती : बाली बोझ

46 - "चराओ" नृत्य, मिजोरम में होता है, / फल लटने पर

47 - ग्रेगर जॉन मेडल : ऑस्ट्रिया / जन्म - 1882
 मटर के पौधों में अनुवांशिकता की खोज (जोसी में)

स्कूल जाने हेतु जंगल-2 राज्यों में प्रयोग किए जाने वाले माध्यम

- ① - बांस/सै बजा पुल - असम में (अत्यधिक बारिश के कारण)
- ② - ट्रॉली - लद्दाख में (चौड़ी बाटी व गहरी नदी/खारे को पार करने हेतु)
- ③ - सीमेंट का पुल - लागान्य मैदानी क्षेत्रों में / पहाड़ों में
- ④ - वल्लभ - केरल (लकड़ी की बनी छोटी नाव)
- ⑤ - ऊँट-गाड़ी - राजस्थान
- ⑥ - बैलगाड़ी - मैदानी क्षेत्रों में
- ⑦ - साइकिल - दूर दराज के स्कूल वाले क्षेत्र
- ⑧ - बर्फ पर चलक - हिमाल की पहाड़ियाँ (हाथ पकड़कर)
- ⑨ - जंगलों के रास्ते -
- ⑩ - ऊबड़ खाबड़ पथरीले रास्ते - उत्तराखण्ड

⇒ एक पशु की आंखें, उसके सिर पर होती हैं, और उसके कान, पंखों के नीचे छुपे होते हैं, जिनसे वह सुनता है।

→ किजार्डि (हिपकनी) की भी यही विशेषताएँ हैं।

→ मगरमच्छ की भी आंखें ऐसी ही होती हैं, छिपी हुयी।

* जानवर :-

- शरीर पर बने पैटर्न, बालों के कारण होते हैं।
- बिना बालों के कोई भी पैटर्न नहीं होता है। (L16-16)
- जिन जानवरों के कान व बाल शरीर पर हों - जन्म देते हैं।
- जिन जानवरों के कान बाहर दिखते नहीं, - अन्धे देते हैं।

* भाषायेँ

- मलयालम - केरल ,
- कोंकणी - कर्नाटक, M.H., गोवा, केरल के कुछ भाग ,
- मराठी - M.H., गोवा, दमन व दीव, दादरा & नागर हवेली
- गुजराती - गुजरात
- कन्नड़ - कर्नाटक, A.P., T.N., M.H.

* ट्रेन टिकट :- ट्रेन का नंबर

- यात्रा शुरू होने की डेट व समय
- बर्थ व कोच नंबर
- Cost (किराया)
- Distance कितना है।

पेड़ →

→ बरगद :- लगे हुए branches, actually, अकी जड़े होती हैं।

→ डेजर्ट ओक :- Australia में मिलता है।

जड़े बहुत गहरी जाती हैं; Ground water को सोखने के लिए,
जिस पानी को वने में store करता है।

→ "बीहू त्यौहार" → असम में मनाया जाता है। नयी चावल की फसल
के आने पर मनाते हैं।

→ 14-15th जनवरी को मनाया जाता है। या माघ के
1-2nd & तीर्थ को।

→ बांस के द्वारा भेला घर बनाया जाता है, इस festival के
occasion पर।

→ आबू धाबी :- UAE (यूनाइटेड अरब इमीरात) → दिरहम (currency)

→ केरल के फल के पेड़ :- नारियल (Coconut), बेटलनट (Betelnut),
- पपीता, केला, जकफ्रूट (Jackfruit)

→ इराक में उगने वाला एकमात्र पेड़ → 'Date Palms' - (खजूर)

→ केरल के मसाले → लेजपत्ता, काली मिर्च, ~~काजी~~ इलाइची।

→ गरम मसाला → इलाइची ① + काली मिर्च ② + लौंग ③ + दालचीनी ④ +
अदरक ⑤ + जीरा ⑥

- * लैप्तिनेट कमांडर वही वा पिन्ग →
 - भारतीय नौसेना में डॉक्टर हैं।
 - सबसे पहली महिला जिन्होंने परेड की अध्यक्षता की (leading)
 - जम्मू व कश्मीर → इजोरी जिला → धन्नागढ़ी क्षेत्र से हैं
 - एक परेड में कुल 36 कमांड्स होती हैं।

* लद्दाख में - तिब्बती भाषा को ओटी भी बोला जाता है।

Mother - amq-le
Father - vabv-le

- * कुत्ते → उनका एक निश्चित क्षेत्र होता है।
 - इससे कुत्ते की योग्यता व मूल की गंध से, ~~इससे~~ उनके अपने क्षेत्र में प्रवेश को पहचान लेता है

- * पक्षी :-
 - अधिकतर पक्षियों की 2 नों आंखें उनके सर के दोनों side होती हैं।
 - अतः वे एक ही समय में 2 अलग-2 चीजों पर focus कर सकते हैं।
 - जब सीधे/सागरे देखती हैं तो एक object पर focus करती हैं।
 - अधिकतर पक्षियों की आंखें fixed/stable होती हैं; अतः उन्हें देखने हेतु, सर घुमाना पड़ता है।
 - कुछ पक्षी जैसे - चगगाड़, बाज, चील, गिह मानव से चार गुना अधिक दूरी तक देख सकते हैं।
 - पक्षी 8 मीटर → मानव - 2 मीटर.
(4 गुना अधिक देखें)

- जानवर, हजाती तरह बहुत सारे रंगों को नहीं देख सकते।
- दिन में जगने वाले जीव कुछ रंगों को ही देख सकते हैं।
- रात में जगने वाले जानवर - केवल Black & White में (डल्फ)

- एक पक्षी द्वारा दोनों आंखें एक ही object पर focus करने पर Distance का अनुमान लगा सकते हैं।
- अगर इसकी आंखों का focus को अलग-अलग चीजों पर है, तो उनका Range of vision बड़ा होता है।

* About sleep - (सोना)

- द्विपक्षी - पूरे एक सत्र तक (Deep sleep) -
- गाय - 4 घंटे
- पायथन (अजगट) - 18 घंटे
- जिराफ - 2 घंटे
- बिल्ली - 12 घंटे
- हाथी - 2-4 घंटे

* Danger to animals →

- Tiger अत्यधिक alert जानवर है, फिर भी खतरे में है।
- हाथी → दाँत के लिए
- टाइगर, मगरमच्छ, साँप को उनकी skin / चमड़ी के लिए
- गेंडा → सींग के लिए
- कस्तूरी मृग → इत्र (Scent) के लिए

[Corbett national park
Dhang, Bharatpur, Rajasthan] → कोई शिकार नहीं कर सकते
→ जंगल को हानि नहीं पहुँच सकते]

* साँप

- सपेरा को → कालबेरिया भी कहते हैं (snake charmers)
- नाग गुंफन → डिजाइन, पेंटिंग जो नागों की shop व skin (सौराष्ट्र/rajasth/ south india में) ← जहाँ होते हैं, जिसमें ~~अन्य~~ रंगोली व कढ़ाई व अन्य सजावट की जाती है।
- सपेरा, साँप को उसके डंक से पहचान लेता है।
- सपेरे जंगलों में पाये जाने वाले कई पेड़ों/पौधों से दवाइयाँ बनाते हैं।
- साँप, जेतों के घूँहों को छाने की वजह से, किसानों के लिए मददगार / सहायक लेते हैं।

* Food & Digesting :-

- आमाशय का तापमान 30°C
- Acids in stomach - जिसे खाना पचता है।
- इंडीसा के कालाहांडी में सबसे अधिक चावल उत्पादन, other states में भी।
- काँच के जोर सुखाना, ताकि moisture न बचे, अच्छा बिराकन हो।
- milk (दूध) → Bowd में रखकर उसे एक पानी के अटे container में रख दें।
- बने चावल → गीले कपड़े में बांधकर
- हरा धनिया → उबालकर ~~खाने~~
- व्याप / लहसुन → dry / open place

बीज →

→ बीज बहुत बड़े यात्री होते हैं।

→ Tiny Hooks के द्वारा, Travel करते हैं / by water also.

* Every drop counts →

→ GHADISAR एक जगह है, Jaisalmer में।
↳ 'झील'

→ यहाँ 9 झीलें थीं, जो interconnected थीं।

→ जलसंग्रह के वर्ष में 1 बार या एक बार भी वर्षा नहीं होती।

→ कुँड़े, बिखरे बरत जा रहे हैं।

① - मोटर द्वारा, अत्यधिक प्रयोग

② - ऐसी झीलें जिन्हें वर्षा जल संग्रहण होता था वे खतम हो गये हैं

③ - Trees के आसपास हमने Cement/Concrete की लकीर बना दी है।

→ जब Jodhpur में, 1986 में वर्षा नहीं हुई →

'बावली' (Bawli) - सीढ़ीदार कुँडियाँ

* दांडी यात्रा - गांधी जी - (1930) -

कारण ① आज लोगों को नगक नहीं बनाने देना अधिक Tax लगाना नगक पर

यात्रा → अहमदाबाद से दांडी (सागर के किनारे) [आंदोलन था नगक काबुज के खिलाफ]

* मच्छरों से मुकाबला :-

- मलेरिया - बुखार, ठण्ड के साथ कंपन।
 - दवाई → शैवाल द्वी की शक्ल से बनता है।
 - आयरन मिलता है → गुड़, आंवला और हरी सब्जी।
 - मच्छियाँ → पेट (आम्रशय) संबंधी बीमारियों के कारण होते हैं।
 - अल्गी (Algae) - एक प्रकार का पौधा, जो कि मुख्यतः (काई) बरखात के मौसम में पैदा होता है।
- रोनाल राँस → बैज्ञानिक जिन्होंने मच्छर के पेट में झाँककर देखा है। पहली बात
 - यह बताया कि मलेरिया मच्छर की वजह से होता है। इससे पूर्व लोग मलेरिया का कारण एक बुरी (प्रदूषित) हवा को मानते थे।
 - मलेरिया एक single celled parasite से होता है, जिसे - प्लास्मोडियम कहते हैं।
 - femal anopheles mosquito - सकेद spots.
- अनीमिया → Normal in delhi school - [खून/पोषण की कमी से होने वाली बीमारी]
 - 17 Nov, 2007, दिल्ली के स्कूलों में बीमार हजारों बच्चों (MC.D.)
 - शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। वृद्धि/विकास रुक जाता है / Energy low / ability
 - Health check ups हुए / बच्चों के Health cards बनाने शुरू हुए
 - आयरन की दवाइयाँ दी जाती हैं।

मलेरिया की दवाई (मिन्कोना)

- पुराने समय में, जीवाणु पैड़ की दाल/टहनी को पीसकर एक दवाई बनायी जाती थी/है, for "malaria"
- टहनी को उबालकर उसका रस पी लिया जाता था, जो अब दवाइयों के रूप में दिया जाता है।

* UP YOU GO →

एक नेता की विशेषताएं (mountain climbing)

- दूसरों का धैर्य उठाने में मदद करे
- group को आगे भेजकर, स्वयं last में जाए।
- जो नहीं चढ़ पाते, उनकी मदद करे।
- रुकने व आराम के लिए एक अच्छी जगह का चयन करे।
- जिन्हें दिक्कत है, उनका ध्यान दे।
- समूह के खाने का पर्याप्त बंदोबस्त करे।
- अच्छा कले पट दूसरों को ड्रेडिट व कुछ गलत होने पर स्वयं की जिम्मेदारी ले।

→ विटामिन व आयरन हों, सर्दी में गर्म रखने में सहायक)

→ टैकला गाँव - 1600 mts. (सिलशप ह्व) सिलवाल राजस्थान में।

→ climbing करते समय Body का कोण 90° का होना चाहिए तथा, Body सीधी होनी चाहिए।

→ बेदेन्डी वाल → 1st indian woman, 5th in world.

→ Mount everest - सागरमाथा - नेपाल में कहा जाता है

→ गाँव → माकुरी गाँव - गढ़वाल

→ मेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग - उत्तरकाशी

→ गाइड : ब्रिगेडियर ज्ञान सिंह

→ 1984 में - बहेदुरी पाल को Mount Everest के लिए चुना गया।
[टीम - 18 सदस्य (7 महिलाएँ)]

→ 7300 मीटर की ऊँचाई पर बर्फ के तुफान से सामना करने के बाद भी हार नहीं मानी।

→ 23 मई 1984 को दोपहर 1 बजकर 7 मिनट पर 8900 मी. की ऊँचाई पर पहुँची। (43 मिनट वहीं रहे)

* A shales so high →

→ मुंबई सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर है, भारत का, (1000 km) -
→ दिल्ली हेतु मुंबई से → महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, U.P. -

→ J & K. की roads डबड़बाड़ हैं; due to mountain winds.

→ लह-लहाख चट्टानों के लिए, J & K. से गुजरना पड़ता है।

→ पर्वतीय क्षेत्रों में नायलॉन हेल्ट का प्रयोग होता है।

→ लद्दाख को ठंडा रेगिस्तान { High पर बर्फ है Flat (plain) }
→ लद्दाख के घर, लकड़ी के, कलान हतवाले व बर्फ से ढके होते हैं।

→ मनाली (H.P. में)

→ लद्दाख में बहुत कम बारिश। बर्फ से ढके पहाड़/ठंड/flat/शुष्कता के कारण कोई भी पेड़ पौधा नहीं होते।

→ जूले - जूले → स्वागत - स्वागत

2 floors के buildings.

- पत्थर के गगान, पत्थर एक के ऊपर एक।
 - गीले मिट्टी व नींबू (lime) की layer से थीचा बनती है।
- घर के 1st floor में भूला भरा होता है।
- सीढ़ियाँ - लकड़ी की।
- निचला मंजिला - जानवरों के लिए व imp. चीजों को रखने के लिए।
 - जब ठंड बढ़ जाती है तो स्वयं भी नीचे ही रहते हैं।
 - ground floor में आंगणवाडी नहीं होती है।
 - मोटी दीवारों के तने का प्रयोग - दत बनाने हेतु।
 - लाल मिर्च, संतरा, कद्दू, पीला भुआ, लहसुन में होते हैं।
- Summer season में - लकड़ी व फलों को दम करके, आंगणवाडी के लिए रख दिया जाता है, जब ठंड के कारण उन्हें fresh fruits व लकड़ी नहीं मिल पाते।
- लकड़ी की दत व मोटी दीवार ठंड से बचने में सहायक।
- यहाँ संकुचित रहते, पक्षीय पहाड़ी सड़के। और नहीं लुप्त होती।
- चांगथांग → 5000 mts. - पक्षीय में दब है वहाँ।
- बंदुत ऊँचे जगहों पर सांस लेने में दिक्कत, सरदर्द, व कमजोर महसूस करते हैं। क्योंकि O_2 low।
- कोई Petrol pump और मैकेनिक नहीं।
- चूँगा - जनजाति (Tnabe) - पहाड़ियों पर रहते हैं। ये 5000 के आसपास हैं - जंगल।
 - अपने बकरियों व भेड़ों के साथ आनुपम्य करते हैं।
- भेड़ बकरियों से ही → दूध, मांस, खान, छेद छेद करवा, ऊन, अन्य मिल जाता है।
- हर पीढ़ी अपने जानवरों का एक विशेष चिन्ह लगाकर रखते हैं।

- जिस परिवार के पास अधिक भेड़-बकरी हैं, वह इतना अमीर होता है।
- इन्हीं, विशेष बकरियों से ही उन्हें पश्मीना शॉल हेतु ऊन प्राप्त होती है।
- यह जनजातीय लोग, ऊँचे व ठीसी जगहों पर ले जाते हैं, जिसे इनकी ऊन बहुत मुलायम (Soft) व गर्मी देने वाली भी अधिक होती है।
- यह रुहें बहुत ऊँचाई पर, कठिनाई में रहते हैं; क्योंकि जवेशी रह सकते हैं।
- जनजातीय लोग अपना सारा सामान, अपने घोड़ों व याकों पर ही लादे रखते हैं।
- इनके टैंड को → 'रेबो' कहते हैं।
- इनके याकों के बालों को बुनकर ~~एक~~ शरीर में एक ऊपर Type का बन जाता है, जो उन्हें protect करता है ठंड से।
- ठंड में - 0°C से नीचे तापमान व 70 km/hr हवा चलती है।
- चंगपा की भाषा में - चोंगथोंग का अर्थ → जहाँ बहुत कम लोग रहते हैं।
- श्रीनगर में अलग-2 तरह के घर, कुछ पहाड़ी पर छुड़, पानी में।
- कश्मीर में हर जगह में बैकरी की shop मिल जाती है, क्योंकि ये लोग बेल शेरियाँ बनाते नहीं बल्कि बैकरी से बसीदते हैं।
- अलग-2 तरह के आवास → ① पहाड़ों पर
 ② कुछ लकड़ी की डिजाइन व पत्थरों से बने पानी पर
 ③ कुछ गतिशील आवास होते हैं, जो move कर सकते हैं।
- जहाँ, चोंगपा लोग अपनी भेड़ों को रखते हैं, → 'लेखा' (यह पत्थरों की दीवारों से बनाता है) ←
- भेड़ों को चराने ले जाने से पूर्व व बाद में घर की औरतों व लड़कियों द्वारा गिना जाता है।
- लद्दाख से श्रीनगर जाते हुए, बीच में कारगिल पड़ता है।

परचीना शॉल → दिखने में पतला ,

- हमारे एक बाग की मोटाई - बकरी के 6 बाल बराबर ।
- 6 स्टेटरों के बराबर , एक शॉल गरी देती है ।
- इतने पतले बालों से मशीन में नहीं बुना जा सकता इसलिए वे श्वयं ही अपने हाथों से बुनते हैं , जिसे 250 घंटे लगते हैं ।

* श्रीनगर के घर :-

- ① - Houseboat → 80-90 feet long / 8-9 feet wide -
 - ② - Dongra → इस झील व झेलम में पाये जाते हैं ।
ऊपर से ऊपर - 2 कमरे होते हैं ।
- Houseboat , की लकड़ी पर सुंदर carving देखने को मिलती है , जिसे - खतमबंद कहते हैं ।
Jigsaw Puzzle की तरह दिखता है ।

- कश्मीर के गांवों में - पत्थरों के टुकड़ों से , एक के ऊपर एक रखकर , घर बनते हैं , तथा गीली कीचड़ से लैपई भी । लकड़ी का भी प्रयोग किया जाता है । साथ ही दूत ढलान वाली ।
- कुछ पुराने घरों में एक विशेष खिड़की होती है , जो दीवार से बाहर आया होता है , जिसे 'दब (dab)' कहते हैं । इसपर भी लकड़ी पर पैटर्न सुंदर होता है ।
- पुराने घर , पत्थर , ईंट व लकड़ी से बने हैं , तथा दफ्ताजों व खिड़कियों पर सुंदर 'मैहराब' बने हैं ।

जब धरती कांपी →

→ 26th Jan 2001, भूकंप, कच्छ (गुजरात) ।

अहमदाबाद, गुजरात

→ जब भूकंप आये तो क्या करें →

→ खुली जगह पर जायें

→ अगर नहीं जा सकते, तो, किसी मजबूत चीज के नीचे जायें, मजबूती से पकड़ें

* उसी से ठंडा उसी ले गर्म - *Stalin written by Dr. Jafar Hussain*

→ हमारे मुँह से आने वाली हवा गर्म या ठंडी ले सकती है, यह निर्भर करता है कि बाहर का तापमान कितना है।

→ स्टैथोस्कोप → Heartbeats

→ गर्म हवा ↑ (हल्की), ठंडी हवा ↓ (भारी)

* कौन करेगा यह काम :-

→ सफाई का काम करने वालों के प्रति सम्बोधनशीलता तथा उनके प्रति सहानुभूति ।

→ गांधीजी के मित्र - महादेवभाई के बेटे - नारायण

→ भीमराव आंबेडकर - महाराष्ट्र के गोरगांव से

→ भारतीय संविधान की निर्माण समिती के अध्यक्ष (father of indian constitution) -

→ Source - India Untouched by Stalin. K. (Documentary)

* क्रॉस की दीवार (Across the wall)

- नागपांडा व अफसाना मंजरी बास्केटबॉल टीम → मुंबई में हैं।
- विक्टोरिया टर्मिनल स्टेशन - मुंबई (Railway stations) -
→ शोलापुर - मुंबई
- वाद-विवाद (Discussion) चर्चा के द्वारा लैंगिक भेदभाव जैसे सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। - लड़कों-लड़कियों के लिए समान खेल व समान मौके।
- चर्चा → Player को ability के आधार पर देखना, न कि class, caste या economic status के आधार पर।
- बच्चू खान playground है in mumbai, एक coach के नाम पर पड़ा → 'मुहम्मद खान'।

* बीज की कुत्तारी / छिनाग की कहानी।

- बंगाल → गुजरात
- पुराने समय में बीजों को सुरक्षित रखने हेतु लौकी के कंकर को मिट्टी से ढेरकर रख दिया जाता था।
- नीम की पत्ती, कीड़े से बीज को बचाते हैं।
- 'अंधीया' → एक लक्ष्मी, जिसको पॉट को उल्टा लटकाना कोयलों पर रखकर लगाना किया जाता है।
- गुजराती में - "उल्टा लटकाना"
- इसे - बाजरे की रोटी, मक्खन, दही व दाल के साथ खाना
- कोयल → एक पौधा, signal देता है, कि जमीन सूख गयी है।
- केन्पुर - छिनाग के मित्र

* मिलके जंगल →

- "कुडुक" - आदिवासी लोगों की एक जाति है, जो झारखण्ड में
- आज जंगल का लोहा है → उनकी जगह, खनन, डैम बन रहे हैं।
- 'तोरांग' - का अर्थ 'जंगल' - कुडुक Lang. में।
- Right to forest Act - 2007 - जो 25 साल से अधिक समय से किसी जंगल में हैं, वे वहीं रह सकते हैं, वह उनकी का है। उन्हें वहाँ से हटाया नहीं जा सकता।
- उनकी सुरक्षा का कार्यभार, वहाँ की ग्राम सभा का है

→ सूर्यमणि :- एक सच्ची घटना, एक (गैल स्टोरी), ordinary girls की extraordinary कहानियों को govt. द्वारा सुनाया जा सकता है।

→ एक दिन जमीन - एक दिन बी. जिल्ली जमीन पर लाया गया था

→ सूर्य खेती → Cycle में कसके उगाना। (मिजोरम)

→ मिजोरम की मुख्य फसल → चावल

→ फसल के पकने पर त्यौहार व 'डंस' → 'चराओ'

→ मिजोरम में लॉटरी के तहत सांसा जमीन को, बारी बारी से लोगों को खेती के लिए दे जाती है

* किसकी सलाह ? किसकी दाप ? →

→ कुछ गुण हम वंशानुक्रम रूप से प्राप्त करते हैं, तथा कुछ कुछ कौशल अपने पर्यावरण से

→ फोलियो वंशानुगत बीमारी नहीं है। यह वायरसजनित है।

→ Dr. को कक्षा में बुलाया जा सकता है → 'Community Resource'

→ ग्रेगोर मैडल - जन्म 1822 - ऑस्ट्रिया में (वंशानुक्रम का पता लगाया)
'छात सालोंतक' 28000 पौधों पर experiment किए।

→ मटर के पौधों में कुछ गुण, उनके pairs, से होते हैं।
जैसे मटर का एक बीज या तो चिकना / खुरफा होगा।

→ पढ़ाई से Interested थे, तथा Exams, से डरते थे।

→ मठ में रहकर experiment किए।

* On the move again :-

→ गन्ने की कसल हैतु, अधिक पानी की आवश्यकता होती है।

→ सूरनपोली, (मीठी रोटी जो गूड़-चने से बनती है) यह, लीखी कढ़ी के साथ खाया जाता है।

→ कैरावन, यह एक वाहन है, जिसमें लगी रहने की सुविधाएँ होती हैं, शौचालय, रसोई, रहने का कमरा आदि।

→ चूलों की नजर कमजोर होती है अगर, सूँघने, टच व स्वाद की संवेदनशीलता अत्यधिक होती है।

→ नागपुर में, दाल में मीठा (शुगर) मिलाकर खाया जाता है।

→ नृत्य करते समय, हाथ व चेहरे का प्रयोग - feeling computer करने हेतु किया जाता है। इन्हें मुद्रा (हाथ) व भाव (चेहरे) कहा जाता है।

- उल्लू, अपनी गर्दन को, काफी दूर तक पीछे धुका सकता है।
- एक पक्षी के पंख, उड़ने के साथ-२, उन्हें सर्पों से बचाने में भी मदद करते हैं।
- रात ही समय-२ पर उनके पंख गिरते रहते हैं, नये पंख उगते रहते हैं।

* ब्रेल लिपि → दृष्टिबाधितों के अध्ययन हेतु।

- एक Paper पर उभरे हुए Points को Touch करके पढ़ पाते हैं।
- लुइस ब्रेल (फ्रांस), अपने पिता को लोग के आँकारों से ब्रेलते देखकर, आँखें चली गयीं।
- पढ़ने के शॉक के चलते, 'Braille script' को तैयार किया।
- यह लिपि, 6 Points पर आधारित होती है, तथा Computer का इस्तेमाल करके भी लिखा जा सकता है।

- * → शुरुआत में बड़े मिट्टी व पत्थरों से बनाये जाते थे।
- पत्थर के बड़े, खुदाई व Carving करके, हाथ से बनाये जाते थे।
 - केहवा (चाय) की बादाग व इलाची का इस्तेमाल करके, चीनीगर में बनायी जाती है, ठंड से बचाने हेतु।
 - स्लाइम, चीनीगर में है।

- * 10
- Tourists (यात्री) शिकाग की Rivr को enjoy करते हैं, (वे भील में, चिड़िया इन कीड़ों को खा जाती हैं, जो फलों को खराब करते हैं)
 - बज्जू गाँव → राजस्थान में है।
 - मानचित्रों पर बने चिन्ह/प्रतीक बच्चों को उसे समझने में मदद करते हैं।
 - बच्चों को, पानी बचाव की आवश्यकता को लेकर, उसके पुनः उपयोग पर चर्चा करा।

* हॉगबॉग :- साँपों को खाया जाता है।
 → famous snake - 'किंग-कू-केन', ओजोन (साँप के कांससे)

- कशीर - (शील की मदली) - संरक्षित के तेल से बनी।
- गोवा - (मछली की मदली) - कार्बोनाट के तेल से बनी।
- केरल - तेपिओका :- जमीन के नीचे डगता है, जिसे जलियन का use करके करी के साथ खाते हैं।

* To make a Tank OR a Tanker →

- टांका बनाने के लिए, जमीन पर गढ़वा खोदकर, पक्का कर लेते हैं।
- एक छक्काण से ढक देते हैं।
- घर की छलान वाली छत से Pipe जोड़कर टांका तब पहुँचा दिया जाता है। Pipe के मुँह पर लाली लगाये ताकि, टैंकी में बूझ न जाए।
- यह पानी, पीने हेतु भी, प्रयोग किया जा सकता है, जब इसे, साफ कर दिया गया हो।

PEDA409Y OF EVS.

①

- बच्चों की वर्गीकरण सिखाने के लिए, चीजों को categorise करना सिखाना आवश्यक है।
- बच्चों को अपने पर्यावरण/आसपास से सूचनायें एकत्र करने के लिए प्रेरित करना।
- बच्चों को प्रकृति की अवलोकित करने का अवसर:- सक्रिय भागीदारी।
- कक्षागत कार्यों को बाहरी संसाधन से जोड़ना आवश्यक है।
- बच्चों को सश्रद्ध में कार्य करने हेतु प्रेरित करें। यह उन्हें विविधता सीखने में मदद करेगा। (Peer learning)-
- कहानियाँ सुनाने के लिए उन्हें प्रेरित करना।
- बच्चों की रचनात्मकता को निखारने के लिए, कला व शिल्प जैसे क्रियाकलापों को बढ़ावा देना।
- उन्हें कुछ कार्य भी दिया जा सकता है, जैसे कुछ Drawing करने या अवलोकन करने हेतु।
- बच्चों को स्वयं की अवलोकित करने का मौका दिया जाए, या पौधों, जानवरों को वर्गीकृत करने का मौका दिया जाए।
- उन्हें कहानी/कविता सुनाने हेतु कहा जा सकता है, परंतु याद करने/रट्टा लगाने हेतु नहीं कहा जाना चाहिए।
- सामुदायिक संसाधन:- जैसे डॉक्टर, किसान, सफाईकर्मी, Grandparents को विद्यालय में बुलाकर Real life Example के द्वारा चीजों को बताया जा सकता है।
- बच्चों को पौधों के प्रति या पर्यावरण के प्रति संवेदना देने के लिए, पेड़ों को गिर बगाने व उन्हें स्वयं जल/खाद देने व रखा करने हेतु प्रेरित किया जा सकता है।

- शिक्षण बच्चों को उनकी मातृभाषा संबंधी, जल, पौधे व अन्य चीजों पर गाये जाने वाले गाने आदि गाने हेतु प्रेरित करें।
- सामाजिक भेदभाव (जाति, लिंग) के प्रति बच्चों को उनके एतर पर संवेदनशील बनाया जाना आवश्यक।
- बच्चों को अवलोकन करने व प्रश्न करने के लिए मौके दें।
- कुछ चीजों को स्पष्ट करने हेतु, बातचीत / Discussions किया जा सकता है।
- बच्चों के क्षेत्रीय रूप से उपलब्ध संसाधनों व सामग्रियों को उपयोग करने हेतु प्रेरित करें।
- इस तरह के तरीके / situations/games, को choose करें जिससे वे स्वयं को संबद्ध कर पायें जैसे - खेल आदि।
- (Individual difference) - सभी की अलग-2 व्यक्तिगत विभिन्नतायें।
- चीजों को बच्चों के स्वयं के अनुभवों से जोड़ा जाए ताकि वे अधिक संवेदनशील हो सकें।
- उन्हें स्वयं को express करने हेतु मौके दिए जाएं।
- बच्चों की रचनात्मकता हेतु जरूर मौके जैसे - rangami, finger paintings, art & craft दिए जाएं।
- बच्चों को पक्षियों / जीवों / पौधों की विशेषतायें बता दें, चाहे उन्हें नाम याद न भी हों।
- किसी भी चीज को good/bad के बीच वाद-विवाद के लिए, discussion कराया जा सकता है।
- ईंधन के पुत्राव, जल, पर्यावरण, आदि पर समावाचनों की Reports के माध्यम से, बातचीत (Discussion) कराया जा सकता है।

→ कक्षा की बातचीत Conversations में बच्चों के अनुभवों को शामिल किया जाना चाहिए।

→ उन्हें Real life examples दें।

→ एक कहानी को पढ़ाने का बेहतर तरीका - Role play हो सकता है।
(जेम्स मॉरीन)

इससे Creativity भी आयेगी।

→ उन्हें ऐसी activities के मौके दें, जिनसे वे, स्वयं करके सीख जायें।

→ उन्हें एक दूसरे को मदद करने / सहयोग करने के अवसर दें।

→ लिंग भेद, तकनीक, Business related gender issue, तथा
मर्दाने के प्रति संवेदन हेतु - बातचीत Discussions।

→ पक्षियों को अवलोकन करने हेतु, नज़दीक से देख पायें। इसके
लिए बच्चों के साथ, Bird bath बनाने में Help कर सकें।

→ पानी संरक्षित करने के local विधियों के experience बच्चों से
कक्षा में साझा करने को कहें।

→ पर्यावरण में सभी चीज़ें - interdependent हैं।

→ बच्चों को प्रोत्साहित करें कि बच्चे एक map के अंग पर,
States, दिशा, Boundaries, दूरी, को समझें व
locate कर पायें।

→ बच्चों से जीवों के विषय में अपने Parents से जानने को कहें।
और इस बात को जानने हेतु भी कि कुछ जीवों की
संख्या कैसे लगातार कम हो रही है।

→ वाद-विवाद, बच्चों को एक विषय को कई तरह से
देखने हेतु प्रेरित करता है।

→ रेलवे टाइम टेबल → को कैसे Read किया जा सकता है 24 hrs.
format.
- इसका प्रयोग कई क्रियाकलाप के द्वारा भूगोल व जाति पढ़ाने
की integrated approach का use किया जा सकता है।

→ खेलों से सीख - जीवन हेतु नियंत्रण बनाना

- सहयोग
- पकड़ नहीं
- सहानुभूति
- अनुशासन

→ फूलों का अवलोकन - वर्गीकरण, जागरूकता, कल्पना

- प्रकार के पंखुड़ी
- रंग
- उनकी शक्ति
- पंखुड़ी झुगु में या नहीं

→ Visit या सा. संसाधन - के द्वारा Construction site पर रह रहे लोगों के विषय में जानकारी प्राप्त करें।

→ पर्यावरण, परिवार संरचना, तापमान, स्थानों, गांवों, तकनीक में परिवर्तन पर बातचीत।

→ गिनकर खाने की आदत है, Event organise, (Comm. lunch) for Respect, diversity, विविधता आदि करें।

→ कई मुद्दों के लिये - Drinking, धूम में सगड़े, पर बच्चों को उनके हल बताने को कहें या उसपर chart, या Poster भी बनाये जा सकते हैं।

→ Classroom में, हर तरह की diversity को "Resource माना जाना चाहिए"।
(like - भाषा, खाना, रंग, लिंग, जाति, धर्म आदि)

→ कक्षा में प्रदर्शन करने व वर्गीकरण हेतु Tables का उपयोग करें।

→ अपने बड़ों से पुराने समय के विषय में बच्चों को कहें, ताकि 'इतिहास' के प्रति ज्ञान/समझ बनता है।

→ इतिहास के विभिन्न स्रोतों के विषय में बातचीत करें - जैसे - maps, चित्र, अवशेष, किलावे, रिकॉर्ड्स, आदि।

→ श्रेणियों पर होने वाली बहसों की शीर्षकों को जिस प्रकार कम किया जा सकता है, इसपर बच्चों से लगाधान पूछें व बातचीत हो। - लगाया पर Reports भी देखें,

→ 'Percentage' जैसे शब्दों को प्रयोग करें हेतु बच्चों को प्रोत्साहित किया जाए ताकि, marks, खेल जीतने की chance कितना है?, Discount, sale आदि को समझने हेतु।

→ Temperature, को Daily newspapers से बताया जा सकता है।

→ Earthquake, के लिए, चर्चा / बातचीत, किया जा सकता है इसके प्रभाव व बचाव प्रदर्शन के द्वारा।

→ हुआईत / ब्रिग अंद जैसे मुद्दे को, संवेदनशील बनाने हेतु, चर्चा / वाद विवाद / newspaper / recent event के द्वारा / अनुभवों आदि के द्वारा किया जा सकता है।

→ अनुभव - games for girls & boys
share करना - team work -

→ Debate - यानी हर बात के दोनों ही aspects पर चर्चा हो ताकि, सक्रिय आधिवाग हो सके।

- उनो के प्रति संवेदनशीलता हेतु, चर्चा व कल्पना ।
- बच्चों की समस्या सुनते हुए, - शिक्षक संवेदनशील होना चाहिए ।
- प्रवास वाले परिवार, के बच्चों के लिए, विशेष व्यवस्था, विद्यालय द्वारा की जानी आवश्यक, ताकि वे लगातार स्कूल में पढ़ें व ग्रुप में रहें ।

* 6 थीम → ① परिवार व मित्र ② → आवास

③ → भोजन

④ → यात्रा

⑤ → जल

⑥ → चीजें जो हम बनाते हैं व करते हैं।

{उप-थीम}

① - परिवार व मित्र →

- संबंध
- कार्य व खेल
- जानवर
- पेड़-पौधे

② - भोजन

- Tasting (चखना)
- Digesting (पचाना)
- पकाना
- संरक्षण तकनीक
- किसान व भूख

Role of the book :-

→ NCERT, द्वारा निर्धारित EVS की 'Themes' को एक गहरी व अंतर्संबंधित समझ के आधार पर बनाया गया है।
→ प्रत्येक थीम कुछ key questions, से शुरू होते हैं।

→ NCERT, किताबों में लिंग, वर्ग, संस्कृति, धर्म, भाषा, भौगोलिक स्थिति के आधार पर विविधता से निपटने की जरूरत बतायी है।

→ EVS books से संबंधित आकलन, सतत आधारित हो, तथा बच्चों का आकलन उसके अवलोकन, चर्चा, प्रश्न तथा सामूहिक कार्य के आधार पर हो।

NCF की शीकारिशे (EVS के लिए) →

- बच्चे का विद्यालयी जीवन, उसके विद्यालय के बाहरी जीवन से संबंधित होना चाहिए।
- यह बच्चे के विद्यालय, घर व समुदाय के बीच की दूरी को कम करेगा।
- यह श्रुति व कितनी ज्ञान को जोड़कर करता है। कितने भी इसी तरह से बनाई गयी हैं।
- इन कितनों का लक्ष्य, द्वारा केन्द्रित शिक्षा व्यवस्था (NPE-1986) को प्राप्त करने में मदद करते हैं।
(Integrated learning).
- बच्चा अपने वातावरण (पर्यावरण) को संपूर्णता में देखता है। इसीलिए, 3rd से 5th में सभी प्रत्यक्षों को विज्ञान, सामाजिक विज्ञान व पर्यावरण शिक्षा के रूप में, एकीकृत किया गया है।
- EVS विषय को 1st व 2nd कक्षा में कितनी रूप में न रखकर, उन्हें भाषा व गणित के साथ ही समाहित किया गया है।
- EVS पुस्तकों में परिभाषाओं व सूचनाओं को जगह नहीं दी गयी है। यहाँ तक कि पुस्तक की भाषा भी औपचारिक नहीं है।
- EVS की केवल पुस्तक ही, ज्ञान का एकमात्र साधन नहीं है, परंतु यह बच्चों को नया ज्ञान निर्माण के लिए प्रेरित करता है।

Lesser the burden → Load कम करने हेतु क्या?

→ Daily time-table, में लचीलेपन की जरूरत है, ताकि Teaching में बेहतर हो सके।

→ अध्यापन व आकलन के लिए प्रयोग किए गये तरीके (विधियाँ) भी प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक की प्रभावशीलता को प्रभावित करते हैं।

(अतः Time table flexibility, Teaching & assessment methods affects the learning outcomes, not only books).

→ बच्चों हेतु अधिक विचारशीलता, उत्सुकता, व चर्चा हेतु छोटे समूह बनाने व प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने की प्रयासिता व स्थान दिया जाना चाहिए।

→ पाठ्यपुस्तक, द्वार केंद्रित हैं, ताकि बच्चों को स्व-अध्ययन, के लिए स्वतंत्रता मिल सके व अन्वेषण कर सकें और रूढ़ि व श्रद्धा करने हेतु मजबूर न हों।

* विद्यालय, की भूमिका :- encourage कर देंगे

→ विद्यालय read वह efforts करे ताकि बच्चे, स्वयं की अधिगम को reflect कर सकें, और कल्पनाशीलता के क्रियाकलाप व प्रश्न पूछ सकें।

→ बच्चे अपने बड़ों, के साथ जुड़कर बच्चे, स्वयं से अपना ज्ञान निर्माण कर सकें।

→ यदि हम बाजों को, अधिगम प्रक्रिया में सहभागी बनायें तो, तो वे रचनात्मक व पहल करने हेतु आगे बढ़ सकते हैं, न कि केवल उन्हें, ज्ञान का एक स्थिर ग्रहणकर्ता मानें।
(यूक अधिगमकर्ता)

→ परीक्षा हेतु, केवल पाठ्यपुस्तक को ही बच्चों हेतु proffered नहीं करना चाहिए। बल्कि अधिगम के अन्य साधनों व संसाधनों का भरपूर प्रयोग हो। उन्हें दशकित न किया जाए।

NCF-2005 - Introduction

(2)

→ NCERT की कार्यकारिणी ने 14 व 19 जुलाई, 2004 की बैठकों में NCF को संशोधित करने का निर्णय लिया।
(तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा निर्णय) -

क्या है - 2005-(NCF) -

- यह विद्यालयी शिक्षा का अबतक का सबसे नवीनतम राष्ट्रीय दस्तावेज है।
- इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, विषय विशेषज्ञों व अध्यापकों ने मिलकर तैयार किया है।
- HRD मंत्रालय की पहल पर, प्रो० यशपाल की अध्यक्षता में देश के चुने हुए 23 विद्वानों ने शिक्षा को नयी राष्ट्रीय चुनौती के रूप में देखा।

* NCF - पाठ्यपथों निर्माण के सिद्धांत (मार्गदर्शितत्व)

- 1 → ज्ञान को स्वयं के बाली जीवन से जोड़ा जाए।
- 2 → पढ़ाई को स्वतंत्र प्रणाली से मुक्त किया जाए।
- 3 → पाठ्यपथों, पाठ्यपुस्तक केन्द्रित न रह जाए।
- 4 → अज्ञात को गतिविधियों से जोड़ा जाए।
- 5 → राष्ट्रीय मूल्यों के प्राप्ति आवश्यक विद्यार्थी तैयार हों।
(राष्ट्रीय महत्व के विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल)

- ① - शिक्षण सूत्रों का अधिकतम प्रयोग हो - ज्ञात से अज्ञात, मूर्त से अमूर्त आदि।
- ② - सूचना को ज्ञान मानने से बचा जाए।
- ③ - विशाल पाठ्यक्रम व मोटी किताबें शिक्षा प्रणाली की असफलता का प्रतीक हैं।
- ④ - मूल्यों को उपदेश देकर नहीं वातावरण देकर स्थापित करें।
- ⑤ - अच्छे विद्यार्थी की धारणा में बदलाव आवश्यक है, अर्थात्, अच्छा विद्यार्थी वह है, जो तर्कपूर्ण बहस के द्वारा अपने मौलिक विचारों को शिक्षक के सामने प्रस्तुत करे।
- ⑥ - अभिभावकों को सख्त संदेश दिया जाए कि बच्चों को ही सी इस में निपुण बनाने की आकांक्षा गलत है।
- ⑦ - बच्चों को स्कूल से बाहरी जीवन में तनावमुक्त वातावरण प्रदान करना।
- ⑧ - "कक्षा में शांति" का नियम बार-बार ठीक नहीं अर्थात्, जीवंत कक्षागत वातावरण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- ⑨ - सहशैक्षिक गतिविधियों में बच्चों के अभिभावकों को भी जोड़ा जाए।
- ⑩ - संयुक्त को मानवीय संसाधन रूप में प्रयुक्त होने का अवसर दें।
- ⑪ - खेल, आनंद व सामूहिकता की भावना के लिए, रिकॉर्ड बनाने व गेटने की भावना को प्रश्रय न दें।
- ⑫ - बच्चों की अभिव्यक्ति में मातृभाषा महत्वपूर्ण स्थान रखती है। अधिगम परिस्थितियों में इसका प्रयोग करें।
- ⑬ - पुस्तकालय में बच्चों को स्वयं पुस्तक चुनने का अवसर दें।

- 9 - वे पाठ्यपुस्तकों में मूल्यपूर्ण होती हैं जो अंतःक्रिया का अवसर दे।
- 15 - कव्यना व मौलिक लेखन के आधिकारिक अवसर प्रदान किए जाएं।
- 16 - सजा व पुरस्कार की भावना को सीमित रूप में प्रयोग किया जाना चाहिए।
- 17 - बच्चों के अनुभव व स्वर को प्राथमिकता देते हुए, बालकेन्द्रित शिक्षा प्रदान की जाए।
- 18 - सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मनोरंजन के स्थान पर शैक्षिक बोध को प्रथम दें।
- 19 - शिक्षण प्रशिक्षण व विद्यार्थियों के मूल्यांकन को सतत प्रक्रिया के रूप में अपनाया जाए।
- 20 - शिक्षकों को आकाशमिक संलाघन व नवचार आदि समय पर पहुँचाये जायें।

* शिक्षा के लक्ष्य - (NCF-2005 के अनुसार)

- 1 - स्कूल के जीवन को बाह्य (घर, पड़ोस) से जोड़ना।
- 2 - आत्म ज्ञान (स्वयं को जानने की एक निरंतर प्रक्रिया बनने)
- 3 - मूल्य शिक्षा अलग न होकर, शिक्षा में ही हो।
- 4 - सांस्कृतिक विविधता का सम्मान करें
- 5 - वैयक्तिक अंतर को स्वीकार करना
- 6 - राष्ट्रीयता व देश पर गर्व करना
- 7 - कक्षा में अन्धता जाहील व उल्लेख बच्चों की भागीदारी
- 8 - शिक्षा को शिक्षा प्रक्रिया को गरीबी, संसाधन, जाति, लिंग से मुक्त करना
- 9 - साहित्य का आकाशमिक रचनात्मकता को बढ़ावा।

* मुख्य उद्देश्य -:

- पाठ्यक्रम के बोझ को कम करना।
- शिक्षा में व्याप्त विसंगतियों को कम करना
- ऐसे पाठ्यक्रम का विकास जिससे ज्ञान का व्यवस्थित रूप विकसित हो।
- विचारों की स्वतंत्रता
- सभी बालकों को सशक्त बनाना
- रचनात्मकता ~~को~~ का विकास

NCF - Curriculum AREAS

Traditional

maths
language
science
social science

Others.

- Art Edu.
- Health & Phys. Edu.
- Edu. for peace
- Habitat & learning

- language → Three lang. formula - imp. of Home lang
→ multilingualism as a resource
→ "Eng. as sub." and "Eng. As medium."
- science - Relation to environment & awareness
- social science - social issues, interdisciplinary approach, Civic society, politics, Corruption of past.
- mathematics - mathematization / तार्किक सोच, अद्वैत विचार व संचालन योग्यता बढ़ पाये।

NCF- systemic Reform $\Rightarrow$ ① Concern for quality ③
② $\hookrightarrow$ Teacher Edu. for curriculum Renewal

⑤- Exam Reform $\Rightarrow$ Content based teaching
 $\downarrow$ shift

problem solving & understanding

$\Rightarrow$ school should evolve, Continuous evaluation.
for diagnosis & Remedial

$\Rightarrow$ No board or state level exams at - 5, 8 & 11th

NCF-2005 - Questions

- ① - Teacher as a - facilitator (सुविधा प्रदाता)
- ② - Aim of teaching English - Multilingualism (बहुभाषिकता)
- ③ - MLL - minimum level of Learning.
- ④ - children don't fail, whole system fails - NCF-2005
- ⑤ - Educational Tech. - can be a - supplement - (पूरक)
- ⑥ - NCF suggested 25% to 40% que. should be → short ans. type.
- ⑦ - chairman of National steering committee → Prof. Yashpal
- ⑧ - Home work time for XIth & XIIth → 2 घण्टे.
- ⑨ - Stress related problems of stud. can be removed by → Guidance & Counselling.
- ⑩ - National system of Edu. को झपट लेकर जाएगा - NCF, किसने कहा → NPE-1986.
- ⑪ - Board Exams of 10th Standard should be → optional
- ⑫ - Evaluation system should be based on - Grades
- ⑬ - Board को Exams को reconduct कराने चाहिए - Immediately.
- ⑭ - Craft को किसके द्वारा सिखाया जाए - Project द्वारा,
- ⑮ - Common phy. discomfort for child → स्कूल का लंबा रास्ता
→ भारी बैग
→ Punishment.
- ⑯ → Main Goal of maths → बच्चों के मस्तिष्क के पित्तन को वर्किलाना / mathematise करना
- ⑰ - Examination → Hurdle Race.
बाधा दौड़

(18) → NCF-2005 का प्रमुख सूत्र → learning without Burden
(बिना भार के अधिगम)

(19) - NCF-2005 का प्रारंभ संविधान के तंत्र के किस
बिंब से होती है? → सम्यक और प्रगति

(20) - सुविधाप्रदाता कौन → Teacher. (उत्प्रेरक)
(Facilitator, Guide and friend)

(21) - पाठ्यपुस्तक के साथ अन्य संदर्भ --- को जोड़कर पुस्तक
के गहन बन सकता है → अनुभव।

(22) - बच्चों के आकलन का सही तरीका है - दैनिक गतिविधि

(23) - पर्यावरण की चिंता के प्रति जागरूकता को संवर्धन स्थली
प्रारंभिक में व्यापक होना चाहिए।

(24) - यदि बच्चे फेल होते हैं तो → System fail होता है।

(25) - शिक्षा का अधिकार है - एक संवैधानिक अधिकार
- शिक्षा मिलने अंतर्गत आती है - सार्वभौम सूची

(26) - - NCF तैयार करता है - 'NCERT'

- NCFTE तैयार करता है - 'NCTE'